संप्रभुता

राज्य के लिए संप्रभुता का वही महत्व है जो जीवन के लिए प्राण का। संप्रभुता के कारण ही राज्य को अन्य समुदायों से उच्चतर स्थिति प्राप्त होती और इसी के आधार पर राज्य अपनी एवं व्यवस्था की स्थापना करता है तथा इसी के कारण वह आंतरिक दृष्टि से सर्वोच्च तथा बाह्य दृष्टि से स्वतंत्र होता है। लास्की के अनुसार "संप्रभुता के कारण ही राज्य अन्य सभी प्रकार के समुदायों से भिन्न है।"

अर्थ - मतैक्य का अभाव है। विलोबी के अनुसार "राजनीति शास्त्र के अन्तर्गत ऐसा अन्य कोई शब्द नहीं है जिसके सम्बन्ध में विद्वानों में इतनी अधिक मतभिन्नता हो। ब्राईस ने लिखा है "यह अत्यन्त विवादग्रस्त" विषय है।

sovereignty लैटिन superanus से बना है।

super का अर्थ अंग्रेजी में supreme तथा anus का power होता है। इस प्रकार superanus का अर्थ supreme power होता है। इस प्रकार शब्द व्युत्पत्ति की दृष्टि से इसका अर्थ तात्पर्य है राज्य की सर्वोच्च सत्ता। जैलीनेक ने कहा है "संप्रभुता राज्य की वह विशेषता है जिसके आधार पर उसकी अपनी इच्छा के अतिरिक्त कोई कानून द्वारा बाध्य नहीं किया जा सकता अथवा उसकी अपनी शक्ति के अतिरिक्त कोई दूसरी शक्ति सीमित नहीं कर सकती।

दूसरे शब्दों में प्रत्येक मानव समुदाय की सामूहिक इच्छा होती है। मानव संघ होने के कारण राज्य की भी collective will होती। यह इच्छा सर्वशक्तिशाली होती है। इसी को संप्रभुता कहते हैं।

मध्य काल - मध्ययुग में बहुमतवाद का बोलबाला था इस कारण संप्रभुता का अस्तित्व संभव न था। इस युग में चर्च की सत्ता को मान्यता प्राप्त थी राज्य की नहीं। पर 16वीं सदी के धार्मिक सुधार ने चर्च की एकता तोड़ी इसकी जगह पर आधुनिक राज्य बना। अब संप्रभुता राज्य का आवश्यक तत्व बना तथा राजा का सबल हुआ।

आधुनिक युग में संप्रभुता के प्रवर्तक हाब्स ने Leviathan तथा बोदां ने The Republic 1576 में राजा की केन्द्रित सत्ता का समर्थन किया। इन लोगों ने समुदाय में एक ही सत्ता की कल्पना की जो असीमित और अमर्यादित थी। हाब्स ने राजा को संप्रभु बनाया जो निरंकुश तथा आवेशपूर्ण था।

आधुनिक जनतंत्रात्मक पद्धति में यह बात सामने आई कि राजा सरकार का अंग है जिसे शक्तियाँ प्राप्त हैं। इस शक्ति को जनता की इच्छा से समाप्त किया जा सकता है। अब राजा जनता का मालिक नहीं बल्कि जनता का अभिकर्ता बन गया। यह हाब्स के निरंकुश राजतंत्र के विपरीत था। इसका प्रतिपादक लॉक था। इसकी अभिव्यक्ति फ्रांस के राज्य क्रान्ति में हुई। अब राजा की जगह राज्य में संप्रभुता आ गई जो लोगों की सामान्य इच्छा का परिणाम था।

रूसो के अनुसार राज्य की इच्छा व्यक्ति की इच्छा है क्योंकि व्यक्ति ने अपनी इच्छा को समाज की इच्छा में समाहित कर दिया है। हाब्स ने राजा को जबकि रूसो ने [illegible] निरंकुश बनाया।

Scanned with CamScanner

हीगेल के अनुसार राज्य एक सर्वोच्च समुदाय है और इसी के अन्तर्गत संगठित नैतिक जीवन संभव है। इस प्रकार उसने राज्य की संप्रभुता का [illegible] किया।

आस्टिन ने संप्रभुता को कानूनी व्याख्या प्रदान किया। (संप्रभुता अर्थ [illegible] रूप से स्वतंत्र निरंकुश और असीमित [illegible] [illegible] यह संप्रभुता को सर्वोच्च असीमित अविभाज्य बताया।

लार्ड ब्रोन "संप्रभुता वह सर्वोच्च, अविभाज्य और अनियंत्रित सत्ता है जिसके आश्रय में कड़े वड़े कानून होते हैं

विल्सन - "संप्रभुता वह शक्ति है जो सदैव क्रियाशील रहकर कानून बनाती है और उसका पालन कराती है।

बोदां - "संप्रभुता नागरिकों तथा प्रजाजनों पर वह सर्वोपरि शक्ति है जिस पर कानून का कोई बंधन नहीं है।

ग्रोशियस Grotius - "संप्रभुता उस व्यक्ति की सर्वोच्च राजनीतिक शक्ति है जिसके कार्य अन्य किसी के अधीन नहीं होते और जिसकी इच्छा को कोई टाल नहीं सकता। यह शासन करने की नैतिक शक्ति है।

संप्रभुता के लक्षण — स्थायित्व, सर्वव्यापकता, अपरित्याज्यता, निरंकुशता, अविभाज्यता।

विविध रूप नाममात्र की संप्रभुता Titular Sov. जिसके शासन का प्रधान नाममात्र का प्रधान होता है जैसे भारत के राष्ट्रपति इंगलैण्ड का राजा।

कानूनी — Legal — जिसके पास कानून बनाने और लागू करने की शक्ति हो। उसका अच्छा उदाहरण ब्रिटिश संसद है।

राजनीतिक संप्रभुता — निर्वाचक मण्डल है। लोकमत व निर्वाचकों की इच्छा को राजनीतिक संप्रभु माना जाता है।

जनसंप्रभुता — मतदाताओं में निहित होती है।

वास्तविक संप्रभुता — / विद्रोह द्वारा राज्य सत्ता आविर्भाव

वैध संप्रभुता — जब जनता की स्वीकृति मिल जाती है —

राज्य का ऐतिहासिक विकास

1. आदि राज्य — Tribal state
2. प्राच्य या पूर्वी साम्राज्य The oriental empire
3. यूनानी नगर राज्य — The Greek city state
4. रोमन साम्राज्य — The Roman empire
5. सामन्तवादी राज्य — The feudal state
6. आधुनिक राष्ट्रीय राज्य — The modern National state
7. राज्य का भावी विकास विश्व संघ — Future development of the state World Federation